हरिभूमि

सागर-चम्बल भूमि फ्रंट पेज

भोपाल, शुक्रवार 17 अप्रैल 2026

सागर | खुरई | बांदरी | जरुआखेड़ा | बीना | बंडा | राहतगढ़

04 किसान के चेहरे पर राहत की मुस्कान ही सबसे बड़ा...

07 जब आपके पास पानी लाने की ठोस योजना ही...

खबर संक्षेप

एसपी मेमोरियल के दो छात्र मेरिट सूची में

गढ़ाकोटा। सागर जिले के गढ़ाकोटा नगर के लिए हर्ष एवं गर्व का विषय है कि एस पी मेमोरियल कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल के दो विद्यार्थियों ने मध्य प्रदेश की मेरिट सूची में स्थान प्राप्त किया। कक्षा 10 वी के छात्र ओमकांत लोधी ने 98.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर मध्य प्रदेश में 8 वां स्थान प्राप्त किया एवं कक्षा 12 वी की छात्रा तनुश्री कुर्मी ने 96.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रदेश में 8 वां स्थान प्राप्त किया दोनों विद्यार्थियों ने नगर सहित स्कूल व माता पिता का नाम रोशन किया।

कमिश्नर ने की जल संवर्धन अभियान की जिलेवार समीक्षा

जल गंगा संवर्धन अति महत्वपूर्ण अभियान तेजी से कार्य करें अधिकारीः कमिश्नर अनिल सुचारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

कमिश्नर सागर संभाग अनिल सुचारी ने जल गंगा संवर्धन अभियान की जिलेवार समीक्षा करते हुए कहा है कि जल गंगा संवर्धन अभियान अति महत्वपूर्ण अभियान है। इस अभियान के अंतर्गत संबंधित विभागों के अधिकारी अच्छी कार्य योजना तैयार कर जल गंगा संवर्धन, जल संरक्षण, जल संरचनाओं की साफ-सफाई का कार्य तेजी से पूर्ण कराएं।

कमिश्नर ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा है कि जल गंगा संवर्धन अभियान की कार्य योजना संबंधित विभागों के अधिकारियों को दे दी गई है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि संबंधित विभाग के अधिकारी जवाबदेही के साथ जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यों को जनभागीदारी के साथ कराएं तथा किए गए

कार्यों की विस्तृत जानकारी एवं फोटोग्राफ एवं वीडियोग्राफ भी पोर्टल में दर्ज कराएं।

कमिश्नर ने संबंधित सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी संबंधित विभाग के अधिकारी जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत कराए गए कार्यों के फोटोग्राफ और जानकारी प्रतिदिन पोर्टल में अनिवार्यतः दर्ज कराएं। कमिश्नर ने उक्त निर्देश आज जल गंगा संवर्धन अभियान की संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक में विभागीय अधिकारियों को दिए। बैठक में कमिश्नर ने कहा कि आगामी वर्षाकाल में सागर संभाग में वृद्ध स्तर पर पौधरोपण का कार्य कराया जाना है। कमिश्नर ने निर्देश दिए कि सभी संबंधित विभाग पौधरोपण की विस्तृत तैयारियां करें तथा वर्षाकाल में सागर संभाग के सभी जिलों में वृद्ध पौधरोपण कार्य सुनिश्चित कराएं।

बैठक में कमिश्नर ने उद्यानिकी विभाग, कृषि विभाग, वन विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, महिला बाल विकास विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा विभाग, जल संसाधन विभाग एवं अन्य विभागों द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत किए गए कार्यों की समीक्षा की। बैठक में संयुक्त आयुक्त विकास श्री राकेश शुक्ला, महिला एवं बाल विकास विभाग बी.एल. प्रजापति एवं अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मुक्तिधाम मामले में विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल ने ज्ञापन सौंपा

देवरीकलां। देवरी नगर के झुनकु वार्ड स्थित मुक्तिधाम में विगत 4 अप्रैल को जन सहयोग से चल रहे निर्माण कार्य पर प्रशासन द्वारा की गई बुलडोजर कार्रवाई को लेकर चल रहे विरोध प्रदर्शन में अब हिन्दु संगठन भी शामिल हो रहे है। आज विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के स्थानीय पदाधिकारियों ने प्रशासनिक कार्रवाई की निंदा करते हुए मुख्यमंत्री के नाम नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा, और मांगे पूरी किए जाने एवं जन कल्याण के कार्यों में गंदी राजनीति बंद किए जाने की मांग की। विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल द्वारा नायब तहसीलदार को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन में मांग की गई कि प्रशासन द्वारा गलत कार्रवाई में जब्त की गई सामग्री वापिस लौटाई जाए, नगर स्वच्छता एवं सौन्दर्यीकरण के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप बंद किया जाये। स्थानीय लोगो की दान राशि, सामग्री एवं श्रमदान से निर्मित ध्वस्त किये गये कार्यों को यथारूप निर्मित कराया जाये। ज्ञापन में मांग की गई कि देवरी तहसीलदार देवरी को जन कल्याणकारी कृत्यों हेतु शमशान घाट में जनसामान्य के द्वारा जो लकड़ी के स्टोर करने, चौकीदार नियुक्त करने, शवदाह उपरांत अस्थि संचय स्थान की व्यवस्था, एवं नदी घाट निर्माण एवं जल स्त्रोत निर्मित करने हेतु निर्देशित किया जाए । उक्त संबंध में विश्व हिंदू परिषद के जिला सहमंत्री संजीव सोनी ने कहां कि सार्वजनिक हित एवं जनकल्याण के लिए नागरिकों की सहभागिता से किए जा रहे कार्यों को रोका जाना दुर्भावना पूर्ण है, 4 अप्रैल की घटना की मै घोर निंदा करता हूं। ज्ञापन देने वालों में विश्व हिंदू परिषद जिला सह मंत्री संजीव सोनी, विश्व हिंदू परिषद प्रखंड मंत्री नीरज नामदेव, बजरंग दल नगर अध्यक्ष अवध नेमा, विश्व हिंदू परिषद उपाध्यक्ष बाबूराम सेन, दीपक खत्री, केशु लखेरा, सौरभ कबीरपंथी, राजा सेन, पंकज कोष्टी, प्रदोष साहू सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

गुरुकुल की छात्राओं ने नगर का नाम रोशन किया

खुरई । माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। जिसमें एस.पी. जैन गुरुकुल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की प्रतिभाशाली छात्रा हिमांशी यादव सुपुत्री वीरेंद्रसिंह यादव और कुमकुम लोधी सुपुत्री रामान सिंह लोधी ने प्रदेश की प्रावीण्य सूची में क्रमशः नवमां एवं दसवां स्थान हासिल कर अपने परिवार, विद्यालय और पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि से क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। छात्राओं ने कठिन परिश्रम, अनुशासन और लगन के बल पर यह सफलता प्राप्त की। छात्राओं ने बताया कि बिना किसी कोचिंग के विद्यालय में शिक्षकों के मार्गदर्शन में ही नियमित पढ़ाई के साथ-साथ समय प्रबंधन पर विशेष ध्यान देती थीं, इस सफलता में विद्यालय प्राचार्य, शिक्षकों का मार्गदर्शन और परिवार का सहयोग महत्वपूर्ण रहा। विद्यालय के प्राचार्य प्रयंक जैन एवं शिक्षकों ने छात्राओं की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह पूरे विद्यालय के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने अन्य विद्यार्थियों को भी इससे प्रेरणा लेने की सलाह दी। छात्राओं के माता-पिता ने भी अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि उनकी बेटी ने मेहनत और आत्मविश्वास से यह मुकाम हासिल किया है। भविष्य में हिमांशी यादव कृषि वैज्ञानिक एवं कुमकुम लोधी उच्च शिक्षा प्राप्त कर देश की सेवा करना चाहती हैं। इस सफलता से विद्यालय के अन्य छात्रों में भी उत्साह बढ़ा है। सम्मान समारोह के अवसर पर विद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं ने मेधावी छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

ट्रक ने नगर पालिका के टैंकर को टक्कर मारी

गढ़ाकोटा। सागर जिले के गढ़ाकोटा में सागर रोड पर एक ट्रक ने नगर पालिका के टैंकर को जोरदार टक्कर मार दी जिसमे टैंकर क्षतिग्रस्त हो गया साथ ही नपा के दो कर्मचारियों को सिर में चोट आने के चलते उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद प्राथमिक उपचार के लिए भेजा गया। जानकारी के अनुसार नगर पालिका के दो कर्मचारी हुकुम पटेल एवं फिरोज खान डिवाइडर पर लगे पेड़ो में टेकर में लगी सटक से पन सप्लाई कर रहे थे कि पीछे से आ रहे लोडेड ट्रक क्रमांक पीबी 10 जेएच 9631 ने जोरदार टैंकर में टक्कर मार दी जिससे हुकुम पटेल को सिर में गंभीर चोट आई है जबकि दूसरे व्यक्ति को अंदरूनी चोटें पहुंची है।

शब्दों में शक्ति होती है और ध्वनि में उपचार की क्षमताः डॉ प्रतिभा तिवारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

भारतीय स्त्रीशक्ति मध्यप्रदेश एवं सिद्धासना एवं जीवन शैली के संयुक्त तत्वावधान में "ध्वनि चिकित्सा एवं अभिव्यक्ति प्रक्रिया के प्रशिक्षण में" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ दीप प्रज्जवलन एवं अतिथियों के आदर सत्कार के साथ हुआ। तद्पोरान्त अध्यक्षीय उद्बोधन, भारतीय स्त्री शक्ति मध्यप्रदेश की प्रदेश अध्यक्ष डॉ प्रतिभा तिवारी ने कहा कि शब्दों में शक्ति होती है, और ध्वनि में उपचार की क्षमता। जब हम ध्वनि चिकित्सा और अभिव्यक्ति प्रक्रिया को एक साथ जोड़ते हैं, तो यह हमारे व्यक्तित्व के समग्र विकास में सहायक बनता है। ध्वनि चिकित्सा हमारे अंदर शांति और संतुलन लाती है, जबकि अभिव्यक्ति प्रक्रिया हमें समाज में प्रभावी रूप से प्रस्तुत होने की क्षमता देती है। हमें अपने जीवन में ध्वनि चिकित्सा को अपनाना चाहिए और अभिव्यक्ति की कला को निरंतर विकसित करना चाहिए। यही हमारे मानसिक स्वास्थ्य और सफल जीवन की कुंजी है। जब आपकी सोच शांत होती है, तो आपकी आवाज़ प्रभावशाली बनती है और जब आपकी अभिव्यक्ति सशक्त होती है, तो आपकी पहचान बनती है। डॉ. प्रतिभा तिवारी द्वारा रचित अध्यात्म प्रतिभा पुस्तक का विमोचन किया गया।

मुख्यवक्ता के रूप में बेंगलौर से उपस्थित सुश्री नम्रता मेहता ने कहा कि सकारात्मक ध्वनि अपनाइए, और प्रभावशाली अभिव्यक्ति विकसित कीजिए, यही सफलता और संतुलित जीवन का मार्ग है। यदि हमें सफल और संतुलित जीवन जीना है, तो हमें अपने भीतर की ध्वनि को समझना होगा और अपनी अभिव्यक्ति को सशक्त बनाना होगा। आत्मा और परमात्मा को महसूस करना कोई बाहरी क्रिया नहीं, बल्कि भीतर की एक यात्रा है। जब आप अपने मन के शोर को शांत करते हैं, तब आप उस अनंत शांति और शक्ति का अनुभव कर पाते हैं। नकारात्मकता ढलान की तरह है, जहां आप बिना कुछ किए नीचे चले जाते हैं। सकारात्मकता चढ़ाई की तरह है, जिसमें ताकत लगती है, लेकिन वहां से नजारा बहुत खूबसूरत होता है। आत्मा की शक्ति एवं ऊर्जा को बढ़ाना है। परमात्मा और प्रकृति की भाषा मौन होती है। मौन केवल शब्दों का अभाव नहीं है, बल्कि यह वह गहरी अवस्था है जहाँ परमात्मा और प्रकृति प्रत्यक्ष रूप से संवाद करते हैं।

इसके उपरान्त मुख्य अतिथि के रूप में सागर की सुष्मिता ठाकुर ने कहा कि ध्वनि जब चिकित्सा बनती है तो मन को ठीक करती है और जब अभिव्यक्ति बनती है तो जीवन को दिशा देती है। जितनी शांत आपकी ध्वनि होगी, उतनी ही सशक्त आपकी अभिव्यक्ति होगी। ध्वनि को साध लीजिए, तो मन शांत हो जाएगा और अभिव्यक्ति को निखार लीजिए, तो जीवन सफल हो जाएगा। समापन अवसर पर विधि विभाग के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र वितरण किया गया। कार्यक्रम का आभार ज्ञापन विधि विभाग की सहा.प्रा.-डॉ. सुषमा द्विवेदी द्वारा दिया गया। इस अवसर पर डॉ. प्रज्ञा उपाध्याय, कु. सौम्या तिवारी, डॉ. सुनीता दीक्षित, सुमन तिवारी, शैलवाला बैरागी, ज्योति गौतम ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति देकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

सिलोधा गांव में कच्चे घर में लगी आगः लकड़ियां और अन्य सामान जला

खुरई। खुरई देहात थाना क्षेत्र के सिलोधा गांव में बीती रात एक कच्चे घर में आग लग गई। अज्ञात कारणों से लगी इस आग में घर में रखी लकड़ियां और अन्य सामान जलकर राख हो गया। सूचना मिलने पर दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया। यह कच्चा घर सिलोधा गांव निवासी रामप्रवेश राजपूत का था, जो उनके मुख्य घर के पास ही बना हुआ है। आग लगने का कारण अभी अज्ञात है। आग लगते ही आसपास के लोगों ने उसे बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग तेजी से फैलने लगी। ग्रामीणों को डर था कि आग कहीं अन्य घरों तक न पहुंच जाए। उन्होंने तत्काल खुरई नगर पालिका को सूचना दी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। समय रहते आग बुझा ली गई, जिससे गांव के अन्य घरों को नुकसान होने से बचाया जा सका।

खुरई में ट्रेन से टकराकर महिला की मौतः हमसफर एक्सप्रेस की चपेट में आई प्लेटफॉर्म पार करते समय हुआ हादसा

खुरई। खुरई रेलवे स्टेशन पर गुरुवार को एक महिला की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। यह घटना प्लेटफॉर्म नंबर 2 के पास हुई। मृतका की पहचान सुधा पति अनिल रैकवार (40) निवासी ऋषभ कुमार वार्ड, खैरा नाका के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, महिला प्लेटफॉर्म नंबर 2 से 1 पर जाने की कोशिश कर रही थी। इसी दौरान गोरखपुर से बांद्रा जा रही हमसफर एक्सप्रेस वहां से गुजर रही थी। ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौके पर ही मौत हो गई। आरपीएफ अधिकारी राजा भाई ने बताया कि हमसफर सुपरफास्ट ट्रेन के चालक ने वायरलेस के माध्यम से स्टेशन मास्टर को सूचना दी थी कि एक महिला प्लेटफॉर्म पर नहीं चढ़ पाई और उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही सागर से जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंची और शव की शिनाख्त के बाद आगे की कार्रवाई शुरू की। पुलिस के अनुसार, सुधा बर्तन धोने के लिए शहर में किसी के घर जा रही थी, तभी यह हादसा हुआ। शव को सिविल अस्पताल की मर्चुरी में रखवा दिया गया है, जहां आज गुरुवार को उसका पोस्टमार्टम किया जाएगा।

स्कूलों को बंद करना कोई समाधान नहीं, बल्कि सुधार करना ही समाधान है

शहर के 20 से ज्यादा सरकारी स्कूलों को संदीपनि में मर्ज करने की नीति के खिलाफ स्कूल बचाओ संघर्ष समिति ने जिला न्यायधीश को ज्ञापन सौंपा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

स्कूल बचाओ संघर्ष समिति सागर के राजेश कुशवाहा ने कहा कि शिक्षा विभाग द्वारा सागर के एम एल बी क्र. 1 स्कूल की जगह पर बनाए गए सांदीपनी विद्यालय के आसपास के 20 सरकारी स्कूलों को मर्ज कर (बंद) किया जा रहा है। वही तहसील बंडा में खोले गए सांदीपनी विद्यालय के आसपास के 5 सरकारी स्कूलों को मर्ज कर बंद कर दिया गया है। मर्ज किए गए विद्यालयों में अब प्रवेश नहीं दिया जा रहा है। जिन विद्यालयों को मर्ज कर बंद किया गया है उन सभी विद्यालयों में औसतन छात्र संख्या 100 के आसपास है। इन विद्यालयों में छात्र संख्या बढ़ाने और अन्य अव्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के प्रयास शिक्षा विभाग और सरकार को करना चाहिए थे जिससे छात्रों को बेहतर शिक्षा मिल पाती। लेकिन चिंतनीय है कि सागर जिले के

सांदीपनि विद्यालय शासकीय एम.एल.बी. क्र.1 सागर जिसमें विद्यालय को मर्ज नाम प्राशा सिविल लाइन, माशा कन्या गोपालगंज, माशा शनीचरी, प्राशा बालक शुक्रवारी, प्रविशा कन्या शुक्रवारी, माशा पुलिस लाइन, प्राशा कन्या उर्दू परकोटा, प्राशा संजय नगर, माशा कन्या रामपुरा, प्राशा बालक रामपुरा, माशा पं

मोतीलाल, हाई स्कूल उर्दू परकोटा, माशा गांधी कटरा, शा हाई स्कूल काकागंज, प्राशा पंतनगर, प्राशा प्लोटनगंज, हाई स्कूल मोराजी, माशा आर्दश तिली, प्राशा०कन्या कनेरादेव इन विद्यालयों को बंद करने की नीति बनाई जा रही है जिसके चलते हजारों छात्रों का भविष्य संकट में है।

मध्य प्रदेश के 94,000 स्कूलों को बंद करने की नीति के तहत ही सरकार सागर जिले के स्कूलों के भी बंद कर रहे है। इसके पीछे सरकार की मंशा शिक्षा के निजीकरण को बढ़ावा देने की है। वही टीईटी परीक्षा लेने के नाम पर शिक्षकों को नौकरी से बाहर करने की तैयारी कर ली गई है यह बहुत बढ़ा षडयंत्र है।

इन सरकारी स्कूलों को बंद करने की बजाय प्राइवेट स्कूलों पर नियंत्रण लगाकर उन छात्रों और अन्य छात्रों को प्रवेश देना चाहिए लेकिन सिर्फ स्कूलों को बंद करने का मतलब ही है छात्रों को शिक्षा से वंचित करना। सवाल ये भी है कि इतनी दूर बच्चे पढ़ने कैसे जाएंगे अभी तक स्कूल पास होने से वह आसानी से जा पाते थे। एक तरफ सरकार द्वारा शिक्षा देने के बड़े बड़े दावे किए जा रहे हैं स्कूल चले हम,बेटियां पड़ेगी इतिहास गढ़ेगी,सर्व शिक्षा अभियान जैसे नारे दिए जा रहे हैं। दूसरी तरफ स्कूलों को बंद किया जा रहा है और वहीं शराब नशे को घर घर पहुंचाया जा रहा है। यह एक सोची समझी साजिश है। जिस सार्वजनिक शिक्षा के लिए देश के महापुरुषों और क्रांतिकारियों ने संघर्ष किया,आमजनता ने सरकारी स्कूल खोलने के लिए मदद दी। वही स्कूल आज खतरे में हैं।

स्कूल बचाओ संघर्ष समिति स्कूल बंद करने का पूर्णतः विरोध करती है। और मांग करती है कि सागर, बंडा सहित राहतगढ़, गढ़ोला जागीर, गढाकोटा, बांदरी, देवरी, बीना, केसली आदि जगहों पर भी सीएम राइज (सांदीपनी) विद्यालय बनाये गए हैं जिनके आसपास के सरकारी स्कूलों को मर्ज कर बंद करने की भी प्लानिंग की जा रही है इन सभी पर तुरंत रोक लगाई जाए। ताकि छात्र शिक्षा से वंचित न हो।

अन्यथा जिले भर में बढ़े स्तर पर आंदोलन करने के लिए विवश होंगे। समिति पूरे प्रदेश भर में स्कूल बचाओ आंदोलन चला रही इसी क्रम में स्कूल बचाओ सभा भी जगह-जगह की जा रही है। ज्ञापन में सैकड़ों की संख्या में छात्र अभिभावक शामिल हुए।

शिविर के बाद बोले कलेक्टर- किसान व अधिकारी दोनों का दिन रहा सार्थक

किसान के चेहरे पर राहत की मुस्कान ही सबसे बड़ा इनाम: कलेक्टर श्रोत्रिय

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़

पीड़ित व्यक्ति की जटिल समस्या का समाधान होने के बाद ज़ब परेशानियों का दर्द मिटता है और पीड़ति व्यक्ति के चेहरे पर राहत की मुस्कान दिखती है, तब चेहरे दिखने बाली बही राहत की मुस्कान ही प्रशासन की सच्ची सफलता, जीत, कामयाबी, इनाम या उपलब्धि होती है। और यही सफलता की पहचान बताती है कि प्रशासन द्वारा किये गये प्रयासो का असर हो रहा है। उक्त वक्तव्य कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने पलेरा में आयोजित राजस्व शिविर में आये पीड़ति लोगो की समस्याओं के समाधान के बाद दिखी मुस्कान व संतोष को लेकर देते हुये कहा कि कुल मिलाकर इस शिविर में किसानो और प्रशासनिक अधिकारियो व कर्मचारियों दोनों का दिन सार्थक रहा है। राजस्व मामलों में वर्षों से भटक रहे किसानों और आमजन के लिए पलेरा तहसील में लगा प्रशासनिक शिविर किसी राहत शिविर से कम नहीं रहा। कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय के नेतृत्व में आयोजित इस विशेष अभियान ने न सिर्फ फाइलों में उलझे मामलों को सुलझाया, बल्कि लोगों के जीवन में सुकून भी लौटाया।

सन्धि विच्छेद से बंटा नाम, कलेक्टर ने फिर से जोड़ी पहचान

शिविर के दौरान एक मार्मिक मामला सामने आया, जहां गोपीकृष्ण नाम के एक व्यक्ति को कम्प्यूटराइजेशन की त्रुटि के चलते उक्त नाम का सन्धिविच्छेद कर गोपी और कृष्ण दो अलग अलग व्यक्तियों के रूप में दर्ज कर दिया गया था। जिसके बाद पीड़ति ब्यक्ति अपने ही नाम को सही कराने के लिए वे लंबे समय से कार्यालयों के चक्कर काट काटकर परेशान थे। लेकिन फिर पलेरा शिविर के दौरान ज़ब उक्त मामला कलेक्टर श्रोत्रिय के समक्ष आया तब उन्होंने तत्काल उक्त समस्या को दूर करते हुये पीड़ति गोपीकृष्ण को उनके अधिकार का वास्तविक दस्तावेज सौंपा। जिसके बाद पीड़ति ब्यक्ति के चेहरे पर सुकून और राहत भरी मुस्कान दिखाई दी। लेकिन यह मामला सिर्फ एक उदाहरण था, क्योंकि ऐसे ही अन्य कई नाम, खसरा नंबर और रकबे की विसंगतियों से जुड़े पलेरा तहसील के कुल 202 प्रकरणों में मौके पर ही आदेश पारित कर संबंधित भू स्वामियों को सौंपे गए। कई किसानों के खसरे में खाली कॉलम में नाम दर्ज हुए, कुछ के नाम सुधारकर सही हकदार के नाम जोड़े गए, कई लोगों के हिस्से स्पष्ट किए गए और अनेक मामलों में रकबे की त्रुटियां भी दुरुस्त की गईं।

निरंतर 12 घंटे देर रात तक चले शिविर के परिणाम देख कलेक्टर को हुई संतुष्टि

सुबह 11 बजे शुरू हुआ यह शिविर रात 10 बजे तक तब तक लगातार चलता रहा, जब तक अंतिम किसान को उसका आदेश नहीं मिल गया। राजस्व समस्या रूपी दर्द दूर होने का आदेश की प्रति हाथ में आते ही कई लोगों की आंखें ख़ुशी से नम हुई तो कई चेहरों पर राहत की मुस्कान देखी गई। इन चेहरों पर आई राहत और मुस्कान को देखकर कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने कहा कि जब किसी पीड़ित व्यक्ति के चेहरे पर समस्या दूर होने के बाद मुस्कान आती है, तभी लगता है कि हमारा और प्रशासनिक अधिकारियों का प्रयास सार्थक हुआ है। शिविर की सफलता में पलेरा तहसील के राजस्व अधिकारियों और पटवारियों की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिन्होंने सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ पूरे दिन कार्य किया। कुल मिलाकर यह दिन किसानों और प्रशासन दोनों के लिए संतोष और सफलता का प्रतीक बन गया। प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि ऐसे समाधान शिविर आगे भी लगातार आयोजित किए जाएंगे, ताकि हर पीड़ित को समय पर न्याय और राहत मिल सके।

लू-का कहर, स्कूल टाइम बदलने की कलेक्टर से उठी मांग

गर्मी के बढ़ते तेवर में तड़पते नन्हें कदमों का आभास कर रहा विचलित

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़

तपते सूरज की बढ़ती तपिस के चलते गर्मी ने अचानक तेवर बदल लिए हैं। दिन प्रतिदिन उछलते तापमान और दोपहर की झुलसा देने वाली हवाओं ने जनजीवन को बेहाल कर दिया है। हालात यह हैं कि दोपहर 12 बजे के बाद सड़कों पर सन्नाटा पसरा नजर आने लगा है। इसी बीच सबसे ज्यादा चिंता का विषय, स्कूल जाने वाले मासूम बच्चे बन गये है। जो भीषण गर्मी और लू के थपेड़ों के बीच घर लौटने को मजबूर हैं।

सोशल मीडिया पर इन दिनों एक ही मांग जोर पकड़ रही है कि प्रदेश के अन्य जिलों की तरह टीकमगढ़ जिले में भी कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय द्वारा स्कूलों का समय बदलने का आदेश शीघ्र जारी किया जाये। अभिभावकों का कहना है कि वर्तमान समय में निजी स्कूल सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक संचालित हो रहे हैं, जिससे छुट्टी के वक्त बच्चों को तपती धूप और गर्म हवाओं का सीधा सामना करना पड़ता है। ऐसे में हीट स्ट्रोक और लू लगने का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। बुधवार को जिले का अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। जबकि न्यूनतम तापमान 23.6 डिग्री दर्ज किया गया। गौर करने वाली बात यह है कि सोमवार को अधिकतम तापमान 37 डिग्री था, जो महज दो दिनों में 4 डिग्री उछल गया। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में पारा 42 डिग्री तक जा सकता है। गर्मी के इस प्रकोप के बीच अभिभावकों ने मांग रखी है कि जिले के सभी शासकीय और निजी स्कूलों का समय प्रातःकालीन किया जाए, ताकि बच्चे दोपहर की भीषण गर्मी से बच सकें। साथ ही प्राथमिक कक्षाओं के लिए विशेष रियायत देने की भी अपील की गई है। दूसरी ओर बढ़ती गर्मी का असर बाजारों में भी दिखने लगा है। कूलर और एसी की दुकानों पर भीड़ बढ़ गई है। वहीं डॉक्टरों ने साफ चेतावनी दी है कि दोपहर के समय धूप में निकलने से बचें, पर्याप्त पानी पिएं और बच्चों का विशेष ध्यान रखें, क्योंकि लू का असर सबसे जल्दी बच्चों पर ही पड़ता है।

निरीक्षण में सख्ती, काम में तेजी, एई की सक्रियता चर्चा में

तकनीकी कारणों से रुके हुए कार्यों की प्रगति पर दिया जा रहा ध्यान

हरिभूमि न्यूज ⏭ पलेरा

जनपद पंचायत पलेरा में पदस्थ एक महिला सहायक यंत्री की तेज तर्रार कार्यशैली जनपद क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है। जिसका मुख्य कारण यह है कि उक्त महिला सहायक यंत्री द्वारा जनपद क्षेत्र की पंचायतो में ज़ब ज़ब निरिक्षण किया जाता है तब पंचायत कर्मियों द्वारा अपनाई जाने बाली किसी भी प्रकार की तरकीब काम नहीं आती। महिला सहायक यंत्री द्वारा सख्त निरिक्षण कर कार्य में तेजी लाने के निर्देश देकर संबंधित ग्रामीणो से वार्ता कर हकीकत पर कड़ी नजर भी रखी जाती है। जो कि क्षेत्र में चर्चा का बिषय बनी हुई है। फील्ड में नियमित मौजूदगी और निर्माण कार्यों की लगातार निगरानी व क्षेत्रीय जनता से सीधा संपर्क कर हकीकत पर नजर रखकर क्षेत्र में चर्चा का विषय बन चुकी पलेरा जनपद पंचायत में पदस्थ सहायक यंत्री एकता तिवारी की बजह से पंचायती कार्यो की गति में बदलाव देखा जा रहा है। पलेरा जनपद क्षेत्र की पंचायतो में पदस्थ पंचायत कर्मियों ने हैरत भरे अंदाज में उक्त चर्चा करते हुये बताया कि पदभार संभालने के बाद से उन्होंने जनपद क्षेत्र की ग्राम पंचायतों में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण दौरा लगातार बढ़ाया है। कई जगहों पर तकनीकी मानकों को लेकर सख्ती भी दिखाई गई है, जिसके चलते कार्यों की गुणवत्ता पर ध्यान जाना शुरू हुआ है। हालांकि, कुछ स्थानों पर अब भी सुधार की जरूरत महसूस की जा रही है। स्थानीय स्तर पर यह भी सामने आया है कि कार्यालय में आने वाले ग्रामीणों और पंचायत कर्मचारियों की समस्याओं को सुनकर उनका निराकरण करने की कोशिश की जाती है। विशेषकर तकनीकी कारणों से अटके कार्यों को आगे बढ़ाने पर ध्यान दिया जा रहा है, जिससे योजनाओं का क्रियान्वयन प्रभावित न हो। मनरेगा और अन्य निर्माण कार्यों में तकनीकी निगरानी बढ़ने से जहां कुछ कामों में तेजी आई है, वहीं जवाबदेही भी बढ़ी है। हालांकि, यह देखना बाकी है कि यह रफ्तार और सख्ती लंबे समय तक किस हद तक बरकरार रह पाती है।

कुल्हाड़ी से हमला करने वाले आरोपी पति और ससुर को किया गिरफ्तार

6 दिन में पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में दबिश देकर पकड़े गए आरोपी

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़

जिले में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई के सख्त निर्देशों के बाद चंदेरा पुलिस ने हत्या के प्रयास के एक गंभीर मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 8 अप्रैल को ग्राम वीरपुरा निवासी 27 वर्षीय धनदेवी रैकवार पर उसके पति हरिओम बाढई और ससुर घंसू उर्फ घनश्याम बाढई ने मारपीट करते हुए कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। इस हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज झांसी में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद थाना चंदेरा में आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधिकारियों के मार्गदर्शन में विशेष टीम गठित की गई, जिसने आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश दी। मुखबिर तंत्र की मदद से पुलिस ने संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर 14 अप्रैल को दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। बाद में उन्हें न्यायालय में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया। इस कार्रवाई में चंदेरा थाना प्रभारी रश्मि जैन के साथ दयाराम चक्रवर्ती, रेवाराम सिंह , बृजेश शर्मा, घनश्याम खटीक, जितेन्द्र, रूपेश दीक्षित, योगेन्द्र, गणेश, वीरन, अरुण, मोहित, बृजेश, आरक्षक चालक अरविन्द, राजेश, अंकिता,सुनीता एबं मानेश की सक्रिय भूमिका रही।

भोपाल से आई जगत गुरु काजल ठाकुर की एंट्री

गद्दी की जंग में किन्नरों के दो पक्ष आमने-सामने

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़

शहर में किन्नर समाज के दो पक्षों के बीच चल रहे गद्दी अर्थात क्षेत्रीय अधिकार का विवाद अब खुलकर सामने आ गया है। दोनों पक्ष अपने अपने दावे ठोकते हुए आमने सामने आ गए हैं, जिससे माहौल गरमा गया है और मामला कोतवाली तक पहुंच गया है। उक्त गद्दी विवाद पुलिस के लिये चुनौती बन गया है। साथ ही धर्म परिवर्तन को लेकर किन्नरो द्वारा बिगत दिवस पुलिस में की गई शिकायत ने अब गद्दी संग्राम का रूप लें लिया है। बुधवार को बबली किन्नर ने अपने साथियों के साथ कोतवाली में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया था कि कुछ लोग धर्म परिवर्तन कर शहर में जबरन वसूली कर रहे हैं। इस शिकायत के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया था। लेकिन इसके बाद गुरुवार को किन्नर जगत गुरु काजल ठाकुर भोपाल से टीकमगढ़ पहुंचीं और तनु किन्नर के पक्ष में कोतवाली में शिकायत दर्ज कराते हुये मामले को अलग ही मोड़ पर ला दिया। किन्नर जगत गुरु काजल ठाकुर ने साफ तौर पर कहा कि बबली किन्नर को बड़ागांव की गद्दी मिली हुई है और उनका टीकमगढ़ से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने दावा किया कि टीकमगढ़ की गद्दी तनु किन्नर की है। किन्नर समाज के दो गुटों में चल रहे उक्त गद्दी संग्राम मामले को और गंभीर बनाते हुए किन्नर जगत गुरु काजल ठाकुर ने चेतावनी दी कि यदि उनके किन्नरों के साथ किसी प्रकार की मारपीट या उत्पीड़न किया जाता है, तो वे 5 हजार किन्नरों के साथ बड़ा प्रदर्शन करेंगी। हालांकि, उन्होंने दोनों पक्षों से आपसी सहमति और शांति बनाए रखने की अपील भी की। इधर कोतवाली पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

हर्षोल्लास व धूमधाम से मनाया गया जन्म कल्याणक दिवस

टीकमगढ़। शहर के मध्य स्थित महावीर जिनालय में आयोजित श्रीमद् जिनेंद्र पंचकल्याणक एवं श्री 1008 शांतिनाथ जिनबिम्ब प्रतिष्ठा महोत्सव के चलते पूरे नगर में धार्मिक उल्लास का माहौल है। 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक चल रहे इस भव्य आयोजन का संचालन पट्टाचार्य आचार्य विशुद्ध सागर महामुनि राज के सानिध्य में हो रहा है। धर्म प्रभावना समिति के अध्यक्ष नरेंद्र जनता ने बताया कि गुरुवार को जन्म कल्याणक दिवस अत्यंत धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। भगवान के जन्म की घोषणा होते ही शहनाइयों और ढोल-नगाड़ों की गूंज से वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो उठा। इस अवसर पर एक भव्य और ऐतिहासिक जन्मोत्सव जुलूस निकाला गया, जो राजेंद्र पार्क से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए महावीर जिनालय पहुंचा। जुलूस में सबसे आगे जैन ध्वज लहराते हुए श्रद्धालु चल रहे थे, वहीं हाथी-घोड़े, बैंड दल, म्यूजिकल ग्रुप, जैन आगम पाठशाला के बच्चे, मंदिर समितियों के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। पूरा शहर धर्ममय माहौल में रंगा नजर आया। महोत्सव के अंतर्गत 16 अप्रैल को शहर के विभिन्न समाजों के धर्मगुरुओं, जनप्रतिनिधियों एवं दिगंबर जैन समाज ने आचार्य श्री को वर्ष 2026 के चातुर्मास हेतु श्रीफल भेंट कर विधिवत निवेदन किया। आगामी कार्यक्रमों की श्रृंखला में 17 अप्रैल को प्रातः 8 बजे ऐतिहासिक जिनेश्वरी दीक्षा समारोह का आयोजन किया जाएगा, जिसे लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। इस सात दिवसीय महोत्सव ने न केवल धार्मिक आस्था को नई ऊंचाई दी है, बल्कि पूरे शहर को भक्ति और श्रद्धा के रंग में सराबोर कर दिया है।

दुष्कर्म का आरोपी एसपी निर्देशन में 24 घंटे में गिरफ्तार, घर में घुसकर वारदात को दिया था अंजाम

मुखबिर की सूचना पर दबोचा गया आरोपी

टीकमगढ़। जिले में गंभीर अपराधों पर अंकुश लगाने के तहत पुलिस की सख्ती लगातार जारी है। इसी क्रम में थाना चंदेरा पुलिस ने दुष्कर्म के एक गंभीर मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को महज 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 14 अप्रैल की रात लगभग 1 बजे आरोपी रामदयाल उर्फ रम्बा रैकवार निवासी खदरी खिरक, ग्राम कछियागुड़ा ने पीड़िता के घर में घुसकर जान से मारने की धमकी देते हुए जबरन दुष्कर्म किया। घटना के बाद पीड़िता ने परिजनों के साथ थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह कुशवाह एवं एसडीओपी जतारा अभिषेक गौतम के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी रश्मि जैन के नेतृत्व में टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपी की तलाश करते हुए 15 अप्रैल को चंदेरा कस्बे के सूखा नाला क्षेत्र से उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। उक्त कार्रवाई में थाना चंदेरा पुलिस टीम के अधिकारियों और कर्मचारियों की सक्रिय भूमिका रही, जिनके समन्वित प्रयास से आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी संभव हो सकी।

युवाओं का भविष्य बचाने के लिए पुलिस अधीक्षक ने अपील करते हुए की एडवाइजरी जारी

नशा केवल व्यक्ति ही नहीं, परिवार व समाज के लिए भी खतरा: एसपी

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़

प्रदेश स्तर पर संचालित नशामुक्ति अभियान के तहत जिले में पुलिस ने जागरूकता की मुहिम तेज कर दी है। पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई ने जिलेवासियों के नाम एडवाइजरी जारी करते हुए नशे के दुष्प्रभावों से बचने और समाज को जागरूक करने की अपील की है। एसपी मंडलोई ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज के लिए गंभीर खतरा है।

नशे से दूर रहना चाहिए

विशेष रूप से युवाओं का भविष्य इससे प्रभावित होता है, इसलिए सभी नागरिकों को जिम्मेदारी निभाते हुए नशे से दूर रहना चाहिए और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करना चाहिए। पुलिस अधीक्षक मंडलोई द्वारा नशे के बिरुद्ध जारी की गई एडवाइजरी में स्पष्ट किया गया है कि समाज में शराब, तंबाकू उत्पाद, मादक द्रव्य और बिना चिकित्सकीय परामर्श के ली जाने वाली नशीली दवाइयों का प्रचलन बढ़ रहा है, जो स्वास्थ्य के लिए घातक है। इससे फेफड़े, लिवर और हृदय संबंधी बीमारियां, मानसिक असंतुलन, तनाव, अवसाद और सामाजिक विघटन जैसी समस्याएं पैदा होती हैं। साथ ही आर्थिक स्थिति पर भी इसका नकारात्मक असर पड़ता है। पुलिस ने नागरिकों को सलाह दी है कि वे जिज्ञासा या दबाव में आकर नशे की शुरुआत न करें, बच्चों और युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित करें तथा संदिग्ध गतिविधियों से दूर रहें। नशे के आदी लोगों को उपचार और परामर्श के लिए प्रेरित करने पर भी जोर दिया गया है।

एसपी मंडलोई के नशामुक्ति जनआंदोलन को मिला समर्थन

जिले में नशामुक्ति को लेकर चलाया जा रहा पुलिस अभियान अब धीरे-धीरे जनआंदोलन का रूप लेता नजर आ रहा है। लगातार जागरूकता कार्यक्रमों और जनसंवाद के जरिए लोगों को नशे के दुष्परिणाम समझाने के साथ बेहतर जीवन की ओर प्रेरित किया जा रहा है। इस अभियान को पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई के नेतृत्व में व्यवस्थित और सतत रूप से आगे बढ़ाया जा रहा है। उनकी पहल पर पुलिस टीमें शहरों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर सीधे लोगों से संवाद स्थापित कर रही हैं, जिससे अभियान का दायरा लगातार बढ़ रहा है। हाल ही में 15 अप्रैल को थाना लिधोरा क्षेत्र के गांवों में आयोजित कार्यक्रमों में ग्रामीणों, महिलाओं और युवाओं की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। अभियान के दौरान नशामुक्ति के साथ-साथ बाल विवाह, दहेज प्रथा और अन्य सामाजिक कुरीतियों पर भी फोकस किया जा रहा है। युवाओं को विशेष रूप से शिक्षा, खेल और सकारात्मक गतिविधियों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार अब तक जिले में 485 से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं, जिनके माध्यम से 80 हजार से ज्यादा लोगों को जागरूक किया गया है। यह आंकड़े अभियान के बढ़ते प्रभाव को दर्शाते हैं। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे नशे और सामाजिक बुराइयों के खिलाफ जागरूक रहें क्योंकि जब समाज जागरूक होगा, तभी नशामुक्त और सुरक्षित भविष्य संभव होगा।

जागरूकता कार्यक्रम और गांवों में हो रहा जनसंवाद

जिले में इस अभियान के तहत स्कूलों और कॉलेजों में जागरूकता कार्यक्रम, गांवों में जनसंवाद और रैलियां आयोजित की जा रही हैं। साथ ही अवैध नशा कारोबार के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है और सूचना तंत्र को मजबूत किया जा रहा है। पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि किसी को नशा कारोबार से जुड़ी जानकारी मिलती है तो वह तत्काल नजदीकी थाना या डायल 112 पर सूचना दे सकता है। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। पुलिस का कहना है कि नशामुक्त समाज के निर्माण में आम नागरिकों की भागीदारी बेहद जरूरी है और सामूहिक प्रयास से ही सुरक्षित भविष्य की दिशा में ठोस कदम बढ़ाया जा सकता है।

जनहित याचिका के डर से श्योपुर पहुंचे पार्वती जलावर्धन योजना से जुड़ी कंपनी के अधिकारी

जब आपके पास पानी लाने की ठोस योजना ही नहीं तो सड़कें क्यों खोदी?

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

जब आपके पास पानी कहां से लाया जाएगा इस बारे में कोई ठोस योजना ही नहीं है तो फिर शहर की सड़कों को खोदकर बर्बाद क्यों किया गया?। यह बात विभिन्न जनप्रतिनिधियों और सीएमओ आरआर यादव ने भोपाल से श्योपुर पहुंचे पार्वती जलावर्धन योजना से जुड़े अधिकारियों से कही। दरअसल नपा उपाध्यक्ष संजय महाना, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष संजय मंगल सहित कुछ लोगों ने जलावर्धन योजना वाली कंपनी को हाई कोर्ट में वकील के माध्यम से जनहित याचिका लगाने के नोटिस भेजे थे जिसके बाद कंपनी ने श्योपुर पहुंचकर संबंधितों से बात की।

178.28 करोड रुपए लागत से स्वीकृत जलावर्धन योजना एडीबी से अनुमोदन के बाद 23 मई 2022 को टेंडर और 29 मई 2022 को भूमि पूजन के बाद घर घर में पानी पहुंचाने के लिए हर गली मोहल्ले में पाइपलाइन बिछाने रोड खुदाई का काम शुरू हो गया था जो आज भी जारी है। कंपनी ने जिस तरह से शहर की सड़कों को खोदकर नगरपालिका के विकास कार्य का जनाजा निकाला उससे परिषद ने कलेक्टर से लेकर नगरीय निकाय आयुक्त तक से उनके द्वारा किए गए विकास को बर्बाद करने से रोके जाने की गुहार लगानी पड़ी थी। लेकिन इस काम को अंजाम दे रही कंपनी की लापरवाही पर लगाम लगाने का काम न तो जिला मुख्यालय स्तर से किया जा सका और न भोपाल से। आश्चर्य कि बात तो यह है कि जिस परियोजना के तहत सरकार पानी घरों तक पहुंचाने का काम 3 साल से कर रही है उसने अभी तक यह भी तय नहीं किया है कि वह पीने का पानी कहां से लाएंगे। इसके इतर शहर में जगह-जगह सड़के खुद कर लोगों को परेशान जरूर कर दिया है इस परेशानी से नागरिकों को बचाने के लिए जनप्रतिनिधियों ने शिकायत के बाद हाई कोर्ट में जनहित याचिका लगाने का निर्णय लिया था जिससे बचने के लिए कंपनी ने गुरुवार को श्योपुर पहुंचकर संबंधियों से चर्चा की और काम में तेजी लाने व मेंटेनेंस का भरोसा दिलाया।

टेल पोर्शन पर काम युद्ध स्तर पर हेड का पता नहीं

आश्चर्य की बात यह है कि नगर पालिका की सड़के पाइपलाइन डाले जाने के लिए जगह-जगह से खोदकर आवागमन बाधित करने के बावजूद कंपनी को अभी यह याद नहीं है कि वह पानी कहां से लाएंगे पार्वती, चंबल, अहेली या कोई ओर नदी एवं किस जगह से पीने का पानी लाया जाएगा पता नहीं। तीन साल बीतने के बाद भी योजना का हेड पोर्शन तय नहीं हो सका है (जहां से पानी लाना है) ओर टेल पोर्शन (शहरों में) पाइपलाइन खोदे जाने का काम युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। योजना का लाभ जनता को कब मिलेगा इसका पता नहीं ओर सड़के सालों पहले ही खोदकर नागरिकों की परेशानी बढ़ा डाली।

पहले पार्वती फिर आवदा डैम, फ़िर मुझरी बांध का चयन

एडीबी से अनुमोदन के बाद पौने दो सौ करोड़ रुपए की इस योजना का भले ही शहरी क्षेत्र (जहां पर पीने का पानी उपलब्ध कराना है) में पाइप लाइन बिछाने और टंकिया निर्माण का काम युद्ध स्तर पर चल रहा हो लेकिन पानी कहां से आएगा इसका निर्णय अभी हुआ ही नहीं है। योजना का जब (दो साल पहले) भूमि पूजन हुआ था तब बताया गया था कि पार्वती नदी का पानी बड़ोदिया बिंदी गांव में इंटकवेल बनाकर लाया जाएगा, लेकिन बाद में बड़ोदिया बिंदी से पार्वती नदी से पानी लाना मुश्किल प्रोसेस बताकर आवदा डैम से पानी लाने की योजना बनाई गई, लेकिन आवदा डैम में साल भर पानी भरा रहने पर संदेह जताते हुए बाद में इसे भी रिजेक्ट कर दिया और अब प्रस्तावित मूंझरी बांध से पानी लाए जाने की योजना बनाई गई है लेकिन मुंझरी बांध का निर्माण भी उक्त जलावर्धन योजना की तरह कागजों में संचालित है यह बांध कहां बनेगा फ़िलहाल यह ही नहीं है। जब बांध की जगह तह नहीं है तो फिर जलावर्धन योजना के लिए पानी लाने की स्कीम किसने किस स्थान को चिन्हित कर बना ली।

दिशाहीन काम

पार्वती जलावर्धन योजना के लिए जो लोग काम कर रहे हैं वह दिशाहीन तरीके से सड़कों को खोद कर बर्बाद कर रहे हैं। इस संबंध में मैंने भी जनहित याचिका लगाने का फैसला किया था कंपनी के लोगों ने आकर अनुरोध किया है कि वह अब नई सड़क नहीं खोदेंगे और जो सड़के खोदी है उनका मैंटेनेंस करेंगे जनहित को ध्यान में रखकर काम किया जाएगा।

संजय मंगल
भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष श्योपुर

राजस्थान के गांवों की सड़कों पर घूमता दिखा चीता केपी 2

चंबल नदी पार करके बाघों के घर में पहुंचा कूनो नेशनल पार्क का चीता

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर।

कूनो नेशनल पार्क का एक चीता बुधवार की रात को चंबल नदी को पार करके राजस्थान के सवाईमाधोपुर जिले में स्थित रणथंभौर टाइगर रिजर्व की सीमा में पहुंच गया है। गुरूवार की सुबह यह चीता केपी 2 राजस्थान के अजीतपुर और लहसौडा के खिरखिरी गांव के आसपास सडकों पर घूमता नजर आया। जिससे आसपास के गांवो के लोगों में हडकंप मच गया। सडकों पर घूमता हुआ यह चीता बाद में खेतों में चला गया। कूनो नेशनल पार्क की टीम मौके पर पहुंच गई है और चीते की लोकेशन ट्रेस कर रही है। राजस्थान के वन विभाग की टीम भी चीते की सुरक्षा को लेकर अलर्ट हो गई है।

बताया जा रहा है कि बुधवार रात नर चीता केपी 2 चीता चंबल पार करके राजस्थान के कोटा जिले की सीमा में पहुंचा और इसके बाद रात के अंधेरे में वह चंबल पार कर दोबारा कोटा से सवाई माधोपुर जिले की सीमा में आ गया। बता दें कि कि 27 मार्च को राजस्थान के पीपल्दा समेल गांव में इसे ट्रेंकुलाइज कर कूनों नेशनल पार्क में वापस लाया गया था। लेकिन अब ये दोबारा चंबल नदी पार करके राजस्थान के सवाईमाधोपुर जिले में पहुंच गया है। राजस्थान के पालीघाट रेंजर किशन कुमार सांखला ने बताया कि पालीघाट रेंज के अजीतपुरा गांव में ग्रामीणों ने चीते के देखे जाने की सूचना दी। इस पर पालीघाट और फलौदी रेंज की टीमें मौके पर पहुंचीं और चीते की ट्रैकिंग शुरू की। बता दें कि 8 महीने पहले भी कूनो की मादा चीता 'ज्वाला' 130 किलोमीटर दूर सवाई माधोपुर जिले के बालेर गांव पहुंच गई थी। यहां एक बाड़े में बकरी का शिकार कर लिया। जहां से उसे कूनो नेशनल पार्क की टीम ट्रेंकुलाइज कर वापस कूनो नेशनल पार्क में लेकर आई।

18 दिन पहले ट्रेंकुलाइज कर ले गई थी टीम

बताना होगा कि यहीं चीता 19 मार्च को कोटा जिले की सीमा में आ गया था। 27 मार्च को पीपल्दा समेल गांव में इसे ट्रेंकुलाइज कर कूनों की टीम ले गई थी। अब ये दोबारा यहां पहुंचा है। इधर, कूनो के नर चीता केपी-3 का मूवमेंट भी बारां जिले में लगातार नजर आ रहा है। तीन दिन पहले उसकी अटरू और छबड़ा में लोकेशन ट्रेस की गई थी।

कल होगा प्रणय का सम्मान दो कृतियों का होगा लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

साहित्य के क्षितिज पर जिले को पहचान देने वाले प्रणय प्रभात का अभिनंदन 18 अप्रैल शनिवार को किया जाएगा। इस अवसर पर उनकी दो कृतियों का लोकार्पण भी होगा। जिनमें ₹ज़िन्दगी पैरोल पर₹ (ग़ज़ल संग्रह) और ₹चार चार में सार₹ (मुक्तक संग्रह) शामिल है। प्रणय की पहली कृति ₹दिन कभी तो निकलेगा₹ (काव्य संग्रह) भी सुर्खियां बटोर चुकी है। इसी क्रम में संस्मरण और लघुकथा संग्रह के रूप में दो कृतियां प्रकाशन प्रक्रिया में हैं। जो जल्दी ही पाठकों तक पहुंचेंगी। विमोचन सह सम्मान समारोह की तैयारियां जोर शोर से जारी हैं। प्रणय ज़िले के वरिष्ठ साहित्यकार व पत्रकार के रूप में जाने जाते हैं। आयोजन समिति के संयोजक इंसाफ़ कुरैशी ने बताया कि समारोह शनिवार को दोपहर 12 बजे से पुल दरवाज़ा स्थित ताज मैरिज गार्डन के सभागार में आरंभ होगा। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश सरकार के पूर्व वन मंत्री रामनिवास रावत उपस्थित रहेंगे। अध्यक्षता केबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त स्टेट हज कमेटी के चेयरमैन रफ़त वारसी करेंगे। भाजपा जिलाध्यक्ष शशांक भूषण व क्षेत्र के पूर्व विधायक दुर्गालाल विजय विशिष्ट अतिथि के रूप में भागीदारी करेंगे। वरिष्ठ भाजपा नेता कैलाश नारायण गुप्ता पूर्व पत्रकार के तौर पर समारोह के मुख्य वक्ता होंगे। समारोह में कृतियों के विमोचन के उपरांत प्रभात प्रणय का सार्वजनिक अभिनंदन किया जाएगा। साहित्यकार व पत्रकार संगठनों के बैनर तले प्रभात प्रणय का सम्मान करेंगे। इसी क्रम में अन्य प्रशंसक व शुभचिंतक भी उनका सम्मान कर सकते हैं। आयोजन को लेकर साहित्य प्रेमियों व पत्रकारगणों सहित गणमान्य। नागरिकों व अन्य संगठनों में उत्साह है। आयोजन समिति ने सभी से नियत समय पर आगमन का अनुरोध किया है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले प्रभात प्रणय का सम्मान महाकवि मुक्तिबोध की स्मृति में प्रशासनिक समारोह में भी हो चुका है।

बड़े अफसरों और नेताओं को छोड़ा गया तो करेंगे जन आंदोलन:रावत

श्योपुर। 3 अगस्त 2021 को आई बाढ़ में प्रभावित किसानों को मुआवजा राशि बांटे जाने के नाम पर किए गए भ्रष्टाचार में कार्रवाई की जद में बड़े अफसर नेताओं को बचाने का काम किया जा रहा है जबकि गलत खातों में राशि डाले जाने पर किसानों को ही आरोपी बनाया जा रहा है। इस मामले में असली दोषियों को बचाया गया तो किसान बड़ा आंदोलन करने को मजबूर हो जाएंगे और जरूरत पड़ी तो इस मामले में जनहित याचिका लगाकर न्यायालय की शरण में जाने से भी नहीं चुकेंगे। यह बात वरिष्ठ किसान नेता मूलचंद रावत ने गुरुवार को चैनपुरा हनुमान जी मंदिर, ललितपुरा में आयोजित हुई बैठक में कहीं। बैठक का नेतृत्व वरिष्ठ किसान नेता मूलचंद रावत (नागदा) ने करते हुए कहा कि बाढ़ राहत घोटाले में शामिल सभी 110 आरोपियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। किसानों ने यह भी कहा कि इस मामले में संलिप्त तत्कालीन तहसीलदार अमिता सिंह तोमर, जो वर्तमान में शिवपुरी जेल में बंद हैं, सहित अन्य संबंधित अधिकारियों एवं उन्हें संरक्षण देने वाले जिम्मेदार नेताओं की भूमिका की निष्पक्ष जांच कर खुलासा किया जाए। उन्होंने कहा कि जेल में बंद तहसीलदार जब घोटाले में तत्कालीन कलेक्टर, आरआई, तहसील नाजिर ओर भाजपा नेताओं के नाम लेकर बोल रही है कि घोटाले में वो शामिल हैं तो फिर उन पर एफआईआर क्यों नहीं हो रही है। किसानों ने मांग रखी कि घोटाले में शामिल सभी दोषियों को जेल भेजा जाए तथा उनसे पूरी राशि वसूल कर वास्तविक बाढ़ पीड़ितों में वितरित की जाए, ताकि जरूरतमंदों को उनका अधिकार मिल सके। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि यदि शीघ्र ही दोषियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो क्षेत्र के किसान आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। साथ ही इस मुद्दे को लेकर व्यापक जनआंदोलन खड़ा किया जाएगा और न्यायालय के माध्यम से पीड़ितों को उनका हक दिलाने के लिए कानूनी लड़ाई भी लड़ी जाएगी। बैठक में किसान नेता राधेश्याम मूंडला सहित बड़ौदा-बत्तीसा क्षेत्र के अनेक किसान एवं मजदूर उपस्थित रहे।

दो कट्टो में लाया जा रहा 20 हजार रूपए कीमत का मावा जब्त

श्योपुर। फूड विभाग एवं देहात थाना पुलिस द्वारा मुरैना से श्योपुर बस द्वारा दो कट्टो में लाये जा रहे मावे को जब्त करने की कार्यवाही की गई है। फूड सेफ्टी ऑफिसर धर्मेन्द्र जैन ने बताया कि जब्त किये गये मावे की कीमत 19 हजार 750 रूपये है। उन्होंने जानकारी दी कि मॉ वैष्णो बस क्रमांक आरजे 34-पीए 4209 से जाटखेडा के समीप मावे को जब्त किया गया है। यह मावा जय गुरूदेव डेयरी स्टेशन रोड श्योपुर के लिए आ रहा था। मौके पर डेयरी संचालक की उपस्थिति खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत मानक स्तर की जांच हेतु मावे का नमूना लिया गया तथा शेष मावे को जब्त करने की कार्यवाही की गई है। सैम्पल को जांच हेतु राज्य स्तरीय प्रयोगशाला भोपाल भेजा गया है, जांच प्रतिवेदन प्राप्त होने पर अधिनियम के तहत विधिवत कार्यवाही की जायेगी।

तीन विक्रेता फर्मो के लाइसेंस निलंबित

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

म.प्र. शासन किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्रालय भोपाल द्वारा उर्वरक का शत-प्रतिशत वितरण ई-विकास प्रणाली के माध्यम से करने के निर्देश जारी है। निर्देशों की अवहेलना करने पर जिले में कृषि विभाग द्वारा विक्रेता फर्मो को नोटिस जारी किये गये थे। विक्रेता फर्मों द्वारा प्रस्तुत जवाब संतोषप्रद न होने की स्थिति में तीनों फर्मो के लाईसेंस निलंबन की कार्यवाही की गई है। उप संचालक कृषि जीके पचौरिया ने बताया कि जिन फर्मो के लाईसेंस निलंबित किये गये है, उनमें मैसर्स-जे.के.इंटरप्राईजेज कलारना रोड श्योपुर, चंबल खाद बीज भंडार दांतरदा एवं प्रतीक ट्रेडर्स ढोढर है। इसके अलावा अन्य दो फर्मो धाकड फर्टिलाईजर एण्ड केमिकल बडौदा तथा दांतरदा कृषि सेवा केन्द्र दांतरदा सहित जिला प्रबंधक एमपी एग्रो जिला श्योपुर को नोटिस जारी किये गये है। जिनसे तीन दिन में जवाब चाहा गया है, जवाब के बाद आगामी कार्यवाही की जाएगी। रासायनिक खादों का शत प्रतिशत वितरण ई-विकास प्रणाली प्रारंभ कर दी गई है। किसानों भाईयों से भी अपील है कि जिन किसानों की एग्रीस्टेक पर फार्मर आईडी नही बनी है। वह अपनी फार्मर आईडी बनवा लें एवं जिन किसानों की फार्मर आईडी बनी है, परन्तु भूमि का संपूर्ण विवरण उसमें नही जुडा है। वह अपनी संपूर्ण भूमि का विवरण फार्मर आईडी में जुडवा लें। जिससे किसानों को ई-विकास प्रणाली से उर्वरक क्रय करते समय अनावश्यक समस्याओं का सामना न करना पडे।

लगभग दो करोड़ मूल्य की भूमि शासकीय घोषित

श्योपुर। न्यायालय अपर कलेक्टर रूपेश उपाध्याय द्वारा प्रकरण क्रमांक 0098/निगरानी/2024-25 में ग्राम विरमपुरा की 24 बीघा भूमि को शासकीय घोषित किये जाने का आदेश पारित किया गया है। पारित आदेश के अनुसार डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी अधिकारी अभिलेख जांच शाखा के स्वमेव निगरानी हेतु प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर न्यायालय नायब तहसीलदार, वृत गोरस, तहसील श्योपुर के प्रकरण क्रमांक 24/अ-86/95-96 में पारित आदेश दिनांक 13.08.1997 निरस्त कर ग्राम विरमपुरा की भूमि सर्वे क्रमांक 259 रकबा 0.199हे., स.क्र. 260 रकबा 0.157 हे.,स.क्र. 261 रकबा 0.334हे.,स.क्र. 262 रकबा 0.742हे., कुल किता 04 कुल रकबा 1.432हे. से अशोक कुमार पुत्र मनोहर जाति ओड़, स.क्र. 264/2/1 रकबा 0.836हे. से कृष्णा बाई पत्नी रामबाबू जाति ठाकुर, सर्वे क्रमांक 256 रकबा 1.693हे. से गुरूदयाल सिंह पुत्र चरणसिंह तथा सर्वे क्रमांक 264/3मिन रकबा 1.045हे. से मलखान पुत्र रामकिशन जाति माली के नाम कुटरचित तरीके से प्राप्त किये गये पट्टे निरस्त कर कुल रकबा 5.006 हेक्टयर (लगभग 24 बीघा) भूमि शासकीय घोषित की गई, जिसका अनुमानित मूल्य 02 करोड़ रूपये है।

अव्यवस्था की भेंट चढ़ा जनगणना प्रेरकों का प्रशिक्षण

पहले दिन दिया नाश्ता दूसरे दिन गायब चाय के साथ पानी मांगते रहे प्रेरक

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

शहर के बायपास रोड क्षेत्र स्थित शासकीय आदर्श कन्या महा विद्यालय परिसर में संचालित जनगणना 2026-27 के लिए चयनित कर्मचारियों जनगणना प्रेरक ओर सुपरवाइजरों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण गुरुवार को दूसरे दिन ही तब अव्यवस्थाओं की भेंट चढ़ गया जब प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले कर्मचारियों को आयोजकों ने शेड्यूल के अनुसार नाश्ता कराने से इंकार कर दिया। जबकि प्रशिक्षण के पहले दिन नाश्ता कराया गया था।

प्रशिक्षण प्राप्त करने पहुंचे एक कर्मचारी ने बताया कि वह जब प्रशिक्षण के पहले दिन परिसर में पहुंचे तो अपने साथ भोजन का टिफिन लेकर पहुंचे थे उन्हीं की तरह अन्य कर्मचारी भी भोजन का टिफिन लेकर पहुंचे थे लेकिन प्रशिक्षण कर्ताओं ने उन्हें बताया कि यहां भोजन, चाय और नाश्ता की व्यवस्था है। तो किसी ने भी अपने टिफिन को खोला तक नहीं प्रशिक्षण शुरू होने से पहले सुबह पोहे का नाश्ता कराया गया और साथ में चाय भी दी गई। दोपहर में भोजन कराया गया इसके बाद फिर चाय और पानी का अवकाश रखा गया। दूसरे दिन सभी कर्मचारी अपना टिफिन घर पर यह सोचकर छोड़ आए कि चाय नाश्ता भोजन वहीं होगा। चूंकि प्रशिक्षण सभी 9:30 बजे से शुरू हो जाता है इसलिए अधिकतर कर्मचारी नाश्ता भी करके नहीं आए लेकिन दूसरे दिन प्रशिक्षण कर्ताओं ने उन्हें बताया कि आज नाश्ता नहीं दिया जाएगा। जिससे कर्मचारी नाराज हो गए शेड्यूल की मांग करने लगे हालांकि आयोजकों ने शेड्यूल दीवार पर चस्पा कर दिया जिसमें सिर्फ पहले दिन नाश्ता था दूसरे ओर तीसरे दिन नाश्ता नहीं था। कर्मचारियों का कहना था कि अगर नाश्ता नहीं था तो उन्हें कल बता दिया जाता वह घर से नाश्ता करके आते विरोध के बीच प्रशिक्षण 1 घंटे देरी से शुरू हुआ जब दोपहर में चाय पिलाई गई तो कर्मचारियों को पानी भी नहीं दिया गया जिसका भी विवाद हुआ प्रशिक्षण कर्ताओं का कहना था कि उनके पास स्टाफ की कमी है जिसके चलते खुद पानी पीकर आना पड़ेगा। इस अव्यवस्था से नाराज कई कर्मचारियों ने चाय का बहिष्कार तक कर डाला। कुल मिलाकर प्रशिक्षण का दूसरा दिन व्यवस्थाओं की भेंट चढ़ गया।

इनका कहना..

दूसरे दिन मीनू में नाश्ता नहीं था इसलिए नाश्ता नहीं दिया गया। मीनू चार्ट दीवार पर चस्पा किया गया है। पीने के पानी की व्यवस्था स्टॉल बनाकर की गई है जहां कर्मचारी पानी पीकर आ जा रहे हैं।

ओम आर्य
प्रशिक्षण प्रभारी नगरपालिका क्षेत्र

बरगवां थाना क्षेत्र की घटना, दो गांवों में छाया शोक

शादी के लिए नहीं माने परिजन तो फांसी लगाकर प्रेमी-प्रेमिका ने दी अपनी जान

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

श्योपुर जिले के बरगवां थाना क्षेत्र में एक प्रेमी जोडे ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दरअसल दोनो एक दूसरे से प्यार करते थे और शादी करना चाहते थे। मगर परिजन उनकी शादी कराने के लिए राजी नहीं थे। हालांकि प्रेमी और प्रेमिका ने अपने अपने परिजन से एक दूसरे की शादी करा देने की बात कई बार बता दी, लेकिन परिजन नहीं मान रहे थे। ऐसे में दोनो ने एक साथ घर से भागकर जंगल में फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। इस घटना से दो गांवों में शोक की लहर व्याप्त हो गई।

खास बात यह है कि दोनो प्रेमी और प्रेमिका नाबालिग थे तथा अलग अलग गांव के निवासी थे। एक दिन पहले ही दोनो एक साथ घर से लापता हो गए थे। परिवार के लोगो की सूचना पर बरगवां थाना पुलिस ने गुरूवार को उनकी तलाश की तो दोनों के शव जंगल में एक पेड से फांसी के फंदे पर झूलते मिले। पुलिस ने दोनो के शवों को फांसी के फंदे से उतारकर उन्हें पीएम के लिए कराहल अस्पताल भिजवा दिया और मर्ग दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, बरगवां थाना क्षेत्र के गांव बमोरी निवासी नाबालिग बालिका और सिलपुरी निवासी नाबालिग बालक एक दूसरे से प्यार करते थे। करीब दो तीन साल पहले एक रिश्तेदारी में हुई दोनों की मुलाकात कब प्यार में बदल गई, इसका पता ही नहीं चला। लेकिन दोनो के बीच प्यार इतना गहरा हो गया था कि दोनों ने शादी करके एक दूसरे के साथ रहने की कसमे खा ली। बताया जा रहा है कि प्रेमी जोडे ने अपने अपने घर वालो को अपने रिश्ते के बारे में बताते हुए शादी करा देने की बात कई बार बता दी। लेकिन दोनो के घर वाले शादी कराने की बात पर राजी नहीं थे।

दोनों एक दिन पहले घर से हुए थे लापता

बरगवां थाना प्रभारी श्यामवीर सिंह तोमर ने बताया कि यह दोनों बुधवार को अपने अपने घर से लापता हो गए थे। परिवार के लोगो ने बुधवार को अपने अपने स्तर पर दोनों की तलाश खूब की,जब दोनों का कोई पता नही चला तो फिर थाने आकर परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद पुलिस ने सर्चिंग अभियान चलाया और टेक्निकल टीम ली गई। मोबाइल नंबर के जरिए उनकी लोकेशन जंगल में मिली। जिसके बाद जंगल में पहुंचकर देखा तो एक पेड से दोनो के शव फांसी के फंदे से लटके हुए थे। बालिका अपने दुपट्टे से तो बालक साफी से बने फांसी के फंदे पर लटका हुआ था। दोनो के परिवार के लोगो की मौजूदगी में पुलिस ने मौका मुआयना करते हुए शवो को नीचे उतारा और पीएम के लिए कराहल अस्पताल में भिजवा दिया।

इसलिए परिजनों ने किया शादी से मना

बताया गया है कि फांसी लगाकर अपनी जान देने वाले नाबालिग बालक और बालिका भिलाजा समाज के अंतर्गत आती है। दोनो के द्वारा अपने अपने घर वालों को एक दूसरे की शादी कर देने की बात कई बार बताई। लेकिन परिजनो ने उनकी शादी कराने से साफ मना कर दिया। क्योंकि दोनों के गौत्र एक ही थे, गौत्र एक ही होने की वजह से दोनो रिश्ते में आपस भाई बहन लगते है।

जांच कर रहे

मामले की प्रारंभिक जांच के दौरान तो दोनो के बीच प्रेम प्रसंग होने की बात सामने आई है। लेकिन घटना की पूरी सच्चाई जांच के बाद ही सामने आएगी। फिलहाल मर्ग दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

अवनीत शर्मा
एसडीओपी,बडौदा

बिना नंबर दौड़ रहे 60 ट्रैक्टर और 12 डंपरों को ट्रैफिक पुलिस ने पकड़ा, अंकित करवाए नंबर

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

सडक दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए यातायात थाना पुलिस ने पुलिस कप्तान सुधीर कुमार अग्रवाल के निर्देश पर बिना नंबर दौड रहे वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करने और उन पर नंबर डलवाए जाने का अभियान शुरू कर दिया है। ट्रैफिक थाना प्रभारी संजय सिंह राजपूत ने बताया कि इस अभियान के पहले दिन ट्रैफिक थाने की टीम के साथ चैकिंग की कार्रवाई करते हुए 60 ट्रैक्टर और 12 डंपर ऐसे पकडे,जो बिना नंबर लिखे दौड रहे थे।

इन सभी वाहनों पर रजिस्ट्रेशन नंबर अंकित करवाए गए। ट्रैफिक प्रभारी ने सभी वाहन चालकों को अपने वाहनों पर आवश्यक रूप से नंबर डलवाए जाने की समझाइस दी और समझाइस का पालन नहीं करने पर कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी है।

खबर संक्षेप

शासकीय विद्यालय लोगर का कीर्तिमान, 98 प्रतिशत रहा परिणाम

बीना। पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, लोगर मालथौन ने एक बार फिर उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम दिया है। विद्यालय का परीक्षा परिणाम इस वर्ष 98 प्रतिशत रहा, जबकि विगत वर्ष संस्था का परिणाम शत-प्रतिशत रहा था। सीमित संसाधनों के बावजूद ग्रामीण क्षेत्र के इस शासकीय विद्यालय ने लगातार बेहतर प्रदर्शन कर अपनी गुणवत्ता सिद्ध की है। इस वर्ष संस्था की छात्रा नैन्सी राजपूत ने 94 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया है।
विद्यालय प्राचार्य हरिराम अहिरवार ने इस उपलब्धि पर सभी विषय शिक्षकों, अतिथि शिक्षकों तथा विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सफलता शिक्षकों की अथक मेहनत, समर्पण और विद्यार्थियों के निरंतर प्रयास का परिणाम है। प्राचार्य ने वरिष्ठ अधिकारियों एवं ग्रामवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सहयोग से ही संस्था लगातार उत्कृष्ट परिणाम दे पा रही है।

चंदेरी की बेटी विजेता बुंदेला ने रचा इतिहास

अशोकनगर। जिले की तहसील चंदेरी के शासकीय मॉडल स्कूल चंदेरी की मेधावी छात्रा कुमारी विजेता बुंदेला ने कक्षा 10वीं की परीक्षा में प्रदेश की प्रावीण्य सूची में नौवां स्थान प्राप्त कर न केवल विद्यालय, बल्कि पूरे चंदेरी क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। छात्रा की इस अभूतपूर्व उपलब्धि पर चंदेरी के अनुविभागीय दंडाधिकारी मनीष धनगर ने उन्हें अपने कार्यालय में आमंत्रित कर विशेष रूप से सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने विजेता को प्रमाण पत्र और स्मृति चिह्न भेंट करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि विजेता की यह सफलता अन्य छात्र-छात्राओं के लिए प्रेरणास्रोत है और सीमित संसाधनों में भी कड़ी मेहनत से लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। सम्मान समारोह के दौरान विजेता बुंदेला ने अपनी सफलता के सूत्र साझा किए। उन्होंने बताया कि वह भविष्य में प्रशासनिक सेवा आईएएस में जाकर समाज और देश की सेवा करना चाहती हैं। विजेता ने कहा, ष्मेरा सपना है कि मैं एक अधिकारी बनकर चंदेरी जैसे क्षेत्रों के विकास में अपना योगदान दे सकूं। अपनी इस उपलब्धि का श्रेय विजेता ने अपने माता-पिता के साथ-साथ विद्यालय के प्राचार्य रामसहाय कटारे और अपने शिक्षकों को दिया।

गत वर्ष से हाई स्कूल का 5 प्रतिशत परिणाम घटा, और हायर सेकंड्री का 5 प्रतिशत बढ़ा

जिले में हाई स्कूल का 66.78 प्रतिशत और हायर सेकंड्री का परीक्षा परिणाम 76.96 प्रतिशत रहा

जिले में हाई स्कूल की प्रदेश मेरिट सूची में 7 छात्र छात्राएं शामिल, अशोकनगर। माध्यमिक शिक्षा मण्डल की हाई स्कूल और हायर सेकेण्ड्री बोर्ड परीक्षा के परिणाम घोषित किये गये। जिले से हाई स्कूल बोर्ड परीक्षा में प्रदेश स्तरीय मेरिट सूची में 7 छात्र छात्राओं ने अपना स्थान बनाया है। जबकि हायर सेकेण्ड्री बोर्ड परीक्षा में प्रदेश की मेरिट सूची में एक भी छात्र छात्रा का नाम शामिल नहीं है। जिले में हाई स्कूल का परीक्षा परिणाम 66.78 रहा और हायर सेकेण्ड्री का परीक्षा परिणाम 76.96 प्रतिशत रहा। गतवर्ष 2025 में कक्षा 10वी का परीक्षा परिणाम 72.38 प्रतिशत रहा था वहीं कक्षा 12वी का परीक्षा परिणाम 71.93 प्रतिशत रहा था

हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर

अन्नया जैन

नेहा लोधी।

आफताब आलम

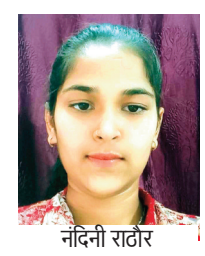
नंदिनी राठौर

पूजा यादव

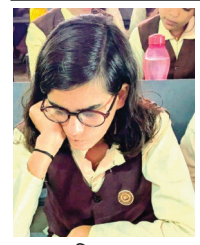
राधिका यादव

आशु शर्मा

जया शर्मा

अंशु रघुवंशी

सरस्वती शिवहरे

संजू यादव

अशोकनगर के छात्र छात्राओं ने जिले का नाम प्रदेश में रोशन किया

जिले से हाई स्कूल बोर्ड परीक्षा में 9170 परीक्षार्थी शामिल होना थे जिसमें 4717 छात्र और 4453 छात्राएं शामिल थीं। जिनमें कुल 66 छात्र अनुपस्थित रहने के बाद कुल संख्या 9104 रहीं जिसमें दो परीक्षार्थियों को परीक्षा में शामिल नहीं किया गया, जिसके बाद 9102 परीक्षार्थी शामिल रहे, जिसमें प्रथम श्रेणी में 2158 छात्र और 2790 छात्राएं शामिल रहीं। द्वितीय क्षेणी में 685 छात्र और 443 छात्राएं रही, 3023 परीक्षार्थी अनुत्रीण हुए। जिले में छात्राओं का प्रतिशत 72.96 और छात्रों का प्रतिशत 60.92 रहा। इसी प्रकार 1426 प्राइवेट परीक्षार्थी शामिल हुए थे जिसमें 850 छात्र और 576 छात्राएं शामिल थीं, जिसमें प्रथम क्षेणी में 18, द्वितीय श्रेणी में 83, तृतीय क्षेणी में 41 परीक्षार्थी उत्त्रीण हुए।

इसी प्रकार हायर सेकेण्ड्री परीक्षा में 6801 परीक्षार्थी शामिल हुए थे जिसमें छात्र 3345 और छात्राएं 3456 थीं, प्रथम श्रेणी में 1954 छात्र और 2432 छात्राएं पास हुई, जबकि द्वितीय श्रेणी में 847 कुल पास रहे। 1568 परीक्षार्थी फेल हुए जिनमें 903 छात्र और 665 छात्राएं शामिल हैं। जिले में छात्रों का प्रतिशत 73 और छात्राओं का प्रतिशत 80.76 रहा।

माध्यमिक शिक्षा मंडल की हाई स्कूल परीक्षा में मेरिट सूची में इन छात्र-छात्राओं ने प्रदेश में जगह बनाई

माध्यमिक शिक्षा मंडल की हाई स्कूल बोर्ड परीक्षा में अशोकनगर जिले के छात्र छात्राओं ने जिले का नाम प्रदेश में रोशन किया है। इस सूची में 7 छात्र छात्राओं ने प्रदेश में अपना स्थान बनाया जिसमें प्रदेश में 5वे नबंर पर टॉपर सूची में अनन्या जैन पुत्री अनिल जैन मां कान्वेंट स्कूल मुंगावली रहीं हैं उन्हें 495 अंक प्राप्त हुए हैं, सातवे स्थान पर प्रदेश में नंदिनी राठौर पुत्री राजेश राठौर दीक्षा पब्लिक स्कूल ईसागढ़ रहीं, उन्हें 493 अंक प्राप्त हुएं हैं। इसी प्रकार आठवे क्रम पर आफताव आलम पुत्र अबरार खान मां कॉन्वेट स्कूल मुंगावली के छात्र रहे हैं, उन्होंने 492 अंक प्राप्त किए हैं। इसी प्रकार 8वे क्रम पर ही तक्ष शिला ज्ञान मंदिर स्कूल पिपरई की छात्रा रिद्धि सोंलकी रहीं है उन्होंने 492 अंक प्राप्त किए हैं। 8वे क्रम पर ही ब्लू चिप स्कूल अशोकनगर की छात्रा नंदिनी रघुवंशी पुत्री राजीव रघुवंशी रहीं हैं, उन्होंने 492 अंक अर्जित किए हैं। प्रदेश की टॉपर सूची मं 9वें स्थान पर विजेता बुन्देला पुत्र धर्मेन्द्र कुमार बुन्देला शासकीय माध्यमिक उच्चतर विद्यालय चंदेरी रहीं हैं, उन्होंने 491 अंक अर्जित किए। इसी प्रकार 9वे क्रम पर ही अशोकनगर सांदीपनि मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्रा नेहा लोधी पुत्री जयप्रकाश लोधी रहीं हैं उन्होंने 491 अंक अर्जित किए हैं।

हाई स्कूल परीक्षा में जिले की टॉपर सूची में वीरा जैन प्रथम स्थान पर रहीं

माध्यमिक शिक्षा मण्डल की हाई स्कूल बोर्ड परीक्षा के घोषित किए गये परिणाम में जिले की टॉपर सूची में 10 छात्र-छात्राओं ने स्थान बनाया है। जिसमें पहले स्थान पर वीरा जैन पुत्री अमित जैन मां कॉन्वेंट स्कूल मुंगावली रहीं, जिन्हें 489 अंक प्राप्त हुए, दूसरे स्थान पर संजय अहिरवार पुत्र सुरेश अहिरवार सेंट मीरा कॉन्वेंट स्कूल मुंगावली रहे जिन्हें 488 अंक प्राप्त हुए। दूसरे ही स्थान पर सुभाना पठान पुत्री साजिद खान मॉडल स्कूल चंदेरी रहीं जिन्हें भी 488 अंक प्राप्त हुए, द्वितीय स्थान पर ही आदित्य ओझा पुत्र शिवनारायण ओझा शासकीय मॉडल हायर स्कूल चंदेरी रहे जिन्हे 488 अंक प्राप्त हुए। तृतीय स्थान पर तमन्ना यादव पुत्री रामवीर सिंह यादव दीक्षा पब्लिक स्कूल ईसागढ़ रहीं जिन्हें 487 अंक प्राप्त हुए, तृतीय स्थान पर ही अवधि जैन पुत्री सुमित जैन मां कॉन्वेंट स्कूल मुंगावली रहीं, जिन्हें 487 अंक प्राप्त हुए, तृतीय स्थान पर ही सरणजीत कौर पुत्री महलसिंह मां कॉन्वेंट स्कूल मुंगावली रहीं, जिन्हें भी 487 अंक प्राप्त हुए, तृतीय स्थान पर ही रश्मि यादव पुत्री सतेन्द्र यादव एशियन पब्लिक स्कूल रहीं, उन्हें भी 487 अंक प्राप्त हुए। इसी प्रकार तृतीय स्थान पर ही खुशी पुत्री रामकिशन रघुवंशी द्रोपदी पब्लिक स्कूल शाढौरा रहीं, उन्हें भी 487 अंक प्राप्त हुए, तृतीय स्थान पर ही अवनि जैन पुत्री धर्मेन्द्र जैन, मॉडल स्कूल चंदेरी रहीं उन्हें 487 अंक प्राप्त हुए। टॉपर सूची में तृतीय स्थान पर जूही साहू पुत्री मुकेश साहू स्वामी विवेकानंद हायर सेकेण्ड्री स्कूल अशोकनगर रहीं उन्हें भी 487 अंक प्राप्त हुए।

हायर सेकेण्ड्री बोर्ड परीक्षा में जिले की टॉपर सूची में यह अव्वल रहे

माध्यमिक शिक्षा मण्डल की हायर सेकेण्ड्री बोर्ड परीक्षा में जिले की टॉपर सूची में इन छात्रों ने नाम दर्ज कराया। जिनमें अंशु राजा परमार, पुत्र वीरेन्द्र सिंह परमार कला संकाय लेकर संस्कार एकेडमी अशोकनगर के छात्र के रूप में 471 अंकों के साथ प्रथम स्थान पर रहे। कला संकाय में ही राधिका यादव पुत्री कृष्णपाल यादव 467 अंक लेकर द्वितीय स्थान पर रहीं, वह शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर विद्यालय की छात्रा हैं। इसी प्रकार जीव विज्ञान विषय के साथ शिवानी त्यागी पुत्री रवि कुमार त्यागी 481 अंक लेकर ब्राइट मॉडल स्कूल अशोकनगर के छात्र ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जीव विज्ञान विषय में ही टीएव्ही पब्लिक स्कूल मुंगावली में राधिका यादव पुत्री यशपाल यादव 477 अंक लेकर द्वितीय स्थान पर रहीं, जीव विज्ञान विषय के साथ अर्जुन खरे पुत्र अमरसिंह खरे शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शाढ़ौरा 475 अंकों के साथ तृतीय स्थान पर रहे। इसी प्रकार जीव विज्ञान विषय में ही तृतीय स्थान पर मुस्कान लोधी पुत्री मोहर सिंह लोधी मॉडल स्कूल ईसागढ की छात्रा ने 475 अंक प्राप्त किए। कॉमर्स विषय में आयुषी श्रीवास्तव पुत्री हरिओम श्रीवास्तव आदर्श बाल विकास मंदिर अशोकनगर की छात्रा 468 अंकों के साथ द्वितीय स्थान पर रही। कृषि विज्ञान में ही पूजा यादव पुत्री बलराम यादव वर्धमान हायर सेकेण्ड्री स्कूल की छात्रा 470 अंकों के साथ प्रथम स्थान पर रही। जबकि कृषि विज्ञान में मनप्रीत सिंह पुत्री पूरनसिंह शिवपुरी पब्लिक स्कूल अशोकनगर की छात्रा 469 अंकों के साथ द्वितीय स्थान पर रही।

विवेकानंद हायर सेकंड्री स्कूल का परीक्षा परिणाम यह रहा

कक्षा 10वी एवं 12वी का परीक्षा परिणाम घोषित हुआ, इस परीक्षा में विद्यालय से कक्षा 10 में 89 एवं कक्षा 12 के 30 विद्यार्थी शामिल हुए थे। कक्षा 12वी में 30 में से 26 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए जिनमें 12 विद्यार्थियों ने 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं।बहन स्नेहा यादव ने गणित में 100 अंक प्राप्त किए एवं 91.2 प्रतिशत के साथ विद्यालय में प्रथम स्थान पर रही। कक्षा 10 में 89 में 82 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी में परीक्षा उत्तीर्ण की छात्रा जूही साहू ने 500 में 487 अंक 97.4 प्रतिशत एवं गणित में 100 अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया है।

ब्लू-चिप पब्लिक स्कूल का परीक्षा परिणाम यह रहा

ब्लू-चिप पब्लिक स्कूल की छात्रा नंदिनी रघुवंशी ने कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए अशोकनगर जिले में प्रथम स्थान एवं पूरे मध्य प्रदेश में 8वां स्थान प्राप्त कर विद्यालय और जिले का नाम गौरवान्वित किया है। नंदनी एक छोटे से गांव मल्हावनी की रहने वाली है। नंदिनी की इस उपलब्धि पर विद्यालय के संचालक डॉ प्रकाश रघुवंशी एवं प्राचार्या मनीषा रघुवंशी ने नंदनी एवं उनके परिवार को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। नंदनी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, गुरुजनों और नियमित अध्ययन को दिया। उन्होंने बताया कि निरंतर अभ्यास और समय का सही प्रबंधन उनकी सफलता का मुख्य कारण रहा। विद्यालय की अन्य छात्र छात्राओं में निकिता ओझा 96.2 प्रतिशत,सलोनी रघुवंशी 93.8 प्रतिशत, राधा यादव 93.4 प्रतिशत, शेखर अहिरवार 93.4 प्रतिशत, आयुषी शर्मा 87 प्रतिशत,नंदनी बारेला 84.4 प्रतिशत, और देव अहिरवार 80.4 प्रतिशत रहा। जीवाजी पब्लिक हाई स्कूल नईसराय की अंशु रघुवंशी ने 97.2 प्रतिशत अंक अर्जित किए। जीवाजी पब्लिक हाई स्कूल, नईसराय ने कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। विद्यालय का परीक्षा परिणाम इस वर्ष भी 100 प्रतिशत रहा।

टॉप 3 मेधावी छात्रों की सूची में छात्राओं का दबदबा देखने को मिला। जिनमें अंशु रघुवंशी ने कुल 500 अंकों में से 486 अंक 97.2: प्रतिशत प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। संजू यादव ने 473 अंक (94.6:) के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया। सरस्वती शिवहरे ने 461 अंक (92.2:) लेकर तृतीय स्थान पर कब्जा जमाया। स्कूल में हर्ष का माहौल जैसे ही परिणाम घोषित हुए, विद्यालय परिसर में मिठाई बांटकर खुशी मनाई गई। विद्यालय के शीर्ष 10 छात्रों में साक्षी यादव, शिक्षा रघुवंशी, ऋतिक कुशवाह और लक्ष्मी रघुवंशी जैसे प्रतिभावान छात्रों ने भी 85 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित किए हैं।

सिविल अस्पताल में नेत्र शिविर का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ बीना

शासकीय अस्पताल में नारायण सदाशिव पिंगले सेवा संस्थान के सहयोग से सदगुरुदेव नेत्र चिकित्सक डॉ संजय पाण्डेय, शासकीय अस्पताल के नेत्र चिकित्सा सहायक प्रहलाद सिंह कुशवाहा, दिनेश वर्मा, कैंप प्रभारी जीतू पाठक, कॉउंसलर घनश्याम बघेल ने बीपी एवं शुगर टेस्ट किया। शिविर सहयोगी एवं वरिष्ठ समाज सेवी सुनील बाबू पिंगले ने बताया कि शिविर में देवेंद्र जोगी, धर्मेंद्र जादौन ने 122 मरीजों के नेत्र परीक्षण कर उन्हें नेत्र रोगों से बचाव के तरीके बतलाएँ। 49 लोगों को निशुल्क दवाइयों का वितरण धर्मेंद्र जादौन द्वारा किया गया। वहीं दिनेश वर्मा द्वारा 21 मरीजों को चश्मा वितरित कर 33 मरीजों को चश्मे के नम्बर निकाल कर दिए। शिविर जनपद सदस्य पीपी नायक की उपस्थिति में आयोजित किया।

जीएनपीएस का परिणाम शत-प्रतिशत सीबीएसई 10वीं में मयंक टॉपर

बीना। सीबीएसई कक्षा 10वीं के परीक्षा परिणाम में गोमती नंदन पब्लिक स्कूल का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। परीक्षा में 119 छात्र सम्मिलित हुए, जिसमें सभी ने सफलता प्राप्त की। विद्यालय के मयंक सिंह राजपूत ने 97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय के टॉपर रहे।

इसी तरह सक्षम विश्वकर्मा ने 94.20 प्रतिशत, अनन्या समैया 93.80 प्रतिशत, मिष्ठी जैन ने 92

प्रतिशत, प्रांचल साहू ने 91.80 प्रतिशत एवं कोमल मीणा ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। अच्छे अंकों से परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यालय के बच्चों को डायरेक्टर विकास अग्रवाल ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों का अनुशासन और कड़ा परिश्रम ही इस सफलता का आधार है। प्रधानाचार्य शिखा अग्रवाल ने परिणामों पर हर्ष व्यक्त करते हुए शिक्षकों और अभिभावकों के संयुक्त प्रयासों की सराहना की।

इस अवसर पर विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक रश्मि प्रजापति, ज्योतशरण सिंह, राजपाल प्रजापति, राहुल विश्वकर्मा, दिव्या उपाध्याय, राम कुमार दांगी, अमित राजपूत, प्रदीप अहिरवार एवं मनीष माथुर ने भी सभी छात्र-छात्राओं को उनकी शानदार सफलता पर शुभकामनाएं दीं।

पूरे दिन सवारियों को बसों से अशोकनगर स्टेशन तक लाया गया, श्रद्धालुओं का आवगमन जारी

वैशाखी के मेले के बाद जिले से नई दिल्ली के लिए स्पेशल ट्रेन रवाना

हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर

जिले के प्रसिद्व आनंदपुर धाम मे वैशाखी पर आयोजित मेले मे हजारो श्रृदालु देश के विभिन्न स्थानो से पहुचे। देश की राजधानी दिल्ली से अशोकनगर आनंदपुर स्पेशल टेन भी पहुची थी। जो मंगलवार को वापिस अशोकनगर से नई दिल्ली के लिए प्रस्थान कर गई। 24 डिब्बो की इस टेन मे आनंदपुर आए तीर्थ यात्रियो को बसो से पहले अशोकनगर स्टेशन लाया गया । पूरे दिन ट्रस्ट की और प्रायवेट बसें इन यात्रियो को लाने मे लगी रही।

आनंदपुर मे हर वर्ष वैशाखी और गुरूपूर्णिमा के मेले पर स्पेशल टेन चलाई जाती है। इस बार भी यह टेन 12 अप्रैल की सुबह 7 बजे अशोकनगर स्टेशन पर पहुची थी और 15 अप्रैल को वापिस प्रस्थान कर गई। श्री आनंदपुर धाम जाने के लिए टेन की सुविधा नही है। यहा सडक मार्ग से ही पहुचा जा सकता है। इस कारण जो भी यात्री टेन से अशोकनगर आते है। उन्हे ट्रस्ट की बसो द्वारा श्री आनंदपुर लाया जाता है और वापिस अशोकनगर भेजा जाता है। यह टेन अशोकनगर स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक 3 पर लगाई गई थी। यहा तक आने के लिए यात्रियो को भारी परेशानियो का सामना करना पडा। यात्रियो को या तो पटरी पार कर प्लेटफार्म क्रमांक 3 पर आना पडा या फिर अशोकनगर के अतुलधाम आश्रम से निकलकर प्लेटफार्म पर पहुचना पडा। यहा एक प्लेटफार्म की कमी साफ नजर आ रही हैं। इस तरह के मेलो के आयोजन के लिए एक प्लेटफार्म बनाया जाना चाहिए ताकि आसानी से यात्री टेने मे बैठ सके। प्लेटफार्म 3 के बाद जो साइड प्लेटफार्म बना हुआ है। यदि इसे ही प्लेटफार्म क्रमांक 4 के रूप मे विकसित कर दिया जाए तो इससे आनंदपुर जाने और आने वाले यात्री लाभांवित होगे साथ मे जो आधा शहर रेल पटरियो के दूसरी ओर जाके बसा है। वहा के लोगो को भी आने जाने मे सुविधा होगी।

अशोकनगर स्टेशन पर स्पेशल टेन 2 घंटे खडी रही। जैसे जैसे यात्री बसो से आते गए। वैसे वैसे यात्रियो को टेन मे बैठने का मौका मिलता गया। इस टेन मे सभी डिब्बे जनरल थे। प्रत्येक यात्री को दिल्ली से रवाना होने से पहले डिब्बा नंबर प्रदान किया गया था।जिस डिब्बा नंबर मे वह बैठकर आए थे। वापिसी भी उन्हे उसी डिब्बा नंबर मे की जाना थी। टेन के प्रत्येक डिब्बे के उपर 1 से 24 तक के नंबर लिखे गए थे। जिस यात्री का जो नंबर था वह उस नंबर का डिब्बा तलाशता देखा गया। डिब्बे के उपर नंबर के साथ श्री आनंदपुर स्पेशल टेन लिखा हुआ था। कई यात्री तसल्लीपूर्वक अपना डिब्बा नंबर तलाशते नजर आए और उसके बाद उन्हे जो नंबर दिया गया था। वह उसी नंबर के डिब्बे मे जाकर बैठते हुए देखे गए। यह टेन आनंदपुर मे आयोजित वैशाखी के मेले मे आई संगत को लेकर थी। इसमे सामान्य यात्रीयो को यात्रा करने पर प्रतिबंध लगाया गया था। टेन मे बैठने के बाद यात्री ओम जयकारा और जय सच्चिदानंद जी महाराज की जय जयकार करते हुए नजर आए। अशोकनगर स्टेशन पर यात्रीयो की सुरक्षा के लिए आरपीएफ और जीआरपीएफ पुलिस तो थी ही साथ मे श्री आनंदपुर के भगत और सेवादार भी अपनी संगत की मदद करते हुए देखे गए।

श्री आनंदपुर मे आयोजित होने वाले इन वार्षिक मेले मे तो यात्री आते ही है। साथ मे पूरे वर्ष भी श्रृदालुओ का आवागमन श्री आनंदपुर के लिए होता है। अगर सामान्य व्यक्तियो को श्री आनंदपुर जाना हो तो उन्हे अलग से कोई बस नही मिलती। यहा के मार्गो पर चलने वाली बसो से ही श्री आनंदपुर पहुचा जा सकता है। हालाकि प्रतिदिन श्री आनंदपुर ट्रस्ट द्वारा चलाई जा रही सुखपुर हॉस्पिटल मे इलाज कराने वाले रोगी आते जाते है। अशोकनगर केस आनंदपुर की दूसरी 30 किमी है। ईसागढ से 5 किमी ,चंदेरी से 35 किमी और ललितपुर से 70 किमी है।

उर्वरकों का वितरण ई-प्रणाली से न करने पर कार्रवाई

अशोकनगर। जिले के किसानों को 01 अप्रैल से ई-विकास (वितरण एवं कृषि उर्वरक आपूर्ति समाधान) प्रणाली व्यवस्था से उर्वरक वितरण खरीफ सीजन में किये जाने हेतु शासन के निर्देश हैं। इस संबंध में निजी उर्वरक विक्रेताओं को पूर्व में प्रशिक्षण एवं पत्रों के माध्यम से अवगत कराया गया है। उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास अमित भदौरिया द्वारा नियमों के विरूद्ध उर्वरकों का वितरण करने वाली 04 निजी संस्थाओं कार्तिक ट्रेडर्स नईसरायं, बांके बिहारी कृषि सेवा केन्द्र बहादुरपुर, गणेश कृषि सेवा केन्द्र ईसागढ़ एवं कृषक खाद विक्रय एवं सहायता केन्द्र अशोकनगर को उर्वरक गुण (नियंत्रण) आदेश अधिनियम 1985 तथा आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 में निहित प्रावधानों के उल्लंघन के तहत उर्वरक लायसेंस/विज्ञाप्ति को निलंबित कर दिया गया है। समस्त उर्वरक विक्रेताओं ई-विकास पोर्टल के माध्यम से उर्वरकों का वितरण करें।